

॥ अथ चंद्रदीलीप्यते ॥ सुणीयो आद्यका मंडांण
जाकीरमस्यमहीमंडांण **॥** कीनाषेतबुंलकीमा
ही **॥** कीरषीवणरुलीनोसांही **॥** १ **॥** बोवेवीजस
कीवेन **॥** नीकसेत्रीगुणडालातीन **॥** लागीरुड
कलीअसुल **॥** बिसारजोफुलेफुल **॥** २ **॥** विठेईडवी
सुरुष **॥** तीषसीषसकलसस्वसरुष **॥** तपीयोबुं
लअज्ञीसुर **॥** फाटीईडऊलकानुर **॥** ३ **॥** चरका
ज्ञानकाकीना **॥** तलरुपकुलीना **॥** ताकाकांति
याहेसुत **॥** पंचुतारतत्वअनुप **॥** ४ **॥** पांतीपवंन
कातांन **॥** सीतीअज्ञकावांन **॥** कीनाराधनीगं
मचार **॥** वणकरआपहीवणनार **॥** ५ **॥** सीनामं
नबीवांहाय **॥** थापतत्रीभोवंननाय **॥** पाडीभात
सुरतेतीस **॥** फेणीवेसपांचपचीस **॥** ६ **॥** रंगोरंग
पुरणकांम **॥** धरीयोचंद्रदीकोनांम **॥** ताकाकुहु
मेवीस्तार **॥** ठांकोसकलहीसंसार **॥** ७ **॥** एसीचुं
दडीअदभूत **॥** ओठेवांरुकेरोपुत **॥** सतकुवेरके
नीजध्यांन **॥** चंद्रदीनहीएबुंलज्ञान **॥** ८ **॥** पुरुगं
मषोजघटमेलाई **॥** अवीगत्यअगमचंद्रदीगई
॥ पदः **॥** १ **॥** इतीसंपुर्णः **॥** अथपदरागधनाश्री
माहापदकेरेकारणे **॥** जोगीजंगलवास **॥** सी
वरेहेसमसांनमे **॥** आठेपोहीरअभ्यासा **॥** १ **॥** जं

॥ १५ ॥ नकसंतकसुखदेवजी ॥ धरीध्यानमांलावे ॥
 सेहेस्रज्जगासीज्जनंतकोटीजाकाजसगावे
॥ १५ ॥ २ ॥ पासकोईपांमेतही ॥ हरीअपरंमपारा ॥ सु
 रतीसमरतीसुलखे ॥ नेतीनीगंमषोकारा ॥ ३
 सुंत्यसीषरघरमांहीहे ॥ सांयांकावासा ॥ सां
 व्यजोगसुरतीलषे ॥ तबहोयपरकासा ॥ ४ ॥ स
 सदीपतवषंडमे ॥ सुरतीलेहेपांमी ॥ चेतनबुल
 अघादहे ॥ रहोसंमदंमजांमी ॥ ५ ॥ वारपारता
 कोकषु ॥ आविनहीअंत ॥ केहंकुवेरतापदलगे
 पोहोचेकोईसंत ॥ ६ ॥ पद ॥ १ ॥ पदपदकेपंडीत
 भये ॥ चारुवेदसुजांन ॥ अंतरज्ञानसकीवीना
 बाधेअंगअभीमांन ॥ १ ॥ ग्रंथघणागरबडक
 री ॥ चीतराषेदायु ॥ सुलतंतजांणपावीना ॥ छुटे
 नहीआयु ॥ २ ॥ सुरतीववेकीरेसरवथा ॥ बोले
 संतगमतु ॥ अतभेआपलहावीना ॥ चीतनव
 रेहेभमतु ॥ ३ ॥ साचापंडीतसोकहीये ॥ कर्म
 धरमनसावे ॥ बाधंनथीरहेबाहारे ॥ तेहेनेउ
 रलावे ॥ ४ ॥ सस्वरूपकुचीनके ॥ पुनीअस्वन
 सावी ॥ केहंकुंवेरपंडीतसोही ॥ पुराघरपावे ॥ ५
 पद ॥ १ ॥ पुराघरकीवांनजी ॥ संतोकहीसमका
 बु ॥ तंतअनंतधरेरांमजी ॥ दशपुगटलषाबु ॥

मछकछवेरावांमना। नरसीघसोहावे। संम
 क्रसफरसुधर। बुधनकलंकीकाहावे। २॥
 जुगजुगमांहरीआयके। धरेसांमसरीरा। वं
 त्यांडकोटीअनंतके। पालेजंतसमीरा। ३॥
 रमणकरीनेरांमजी। अरुवीश्वनसावेवी
 सुअंशअनुपही। माहानीधसमावे। ४॥ पं
 चतत्वअरुपही। अकरताकहावे। सतकुवे
 रघरतेसही। गुरुगंमतेपावे। ५॥ पदः ३॥ संतो
 रेगुरुगंमतेचालो। हयवेहयनेपरहरी। अ
 नहयमेमाहालो। संतोरेगुरुगंमतेचालो। ६॥
 षट्दरसंनमांषटपटे। दैतवेरीनेवाहालो। ष
 टहादशनीवारछे। मारगसोईकालो। संतो
 ७॥ चारुअवस्तापरहरी। पंचमीहांमघालो।
 मेटेकालमायातणो। भारेभयेभालो। संतो
 रे। ३॥ धेधातापदछांडीते। अदैतउरलावो।
 केहंकुवेरहुजोनही। आपेआपतेधावे। संतो
 रेगुरुगंमसेचालो। ४॥ पदः ४॥ गुरुगंमषो
 जारेआतमा। आपेओलषाई। पंडापडेजीव
 जातही। जीवतांहीमेली। १॥ कर्मधर्मदोष
 हते। न्याराहोईवैले। जाग्याजुगमांसोकहीए।
 पोहोचाघरछेहेले। २॥ आपापरतेआलसी

॥१६॥ ध्रुवताघेरलावे ॥ साक्षीवतआत्मलये ॥ प्रभवास
 मेतावे ॥ ३ ॥ बृंहलरूपवरतीसदा ॥ भासेसंमतो
 १७६ ॥ ला ॥ अवीगतकीगतजानकेरहेअचलअडे
 ला ॥ ४ ॥ जैसेकुंभजलेभरा ॥ जलमांहीडुवाया
 सतकुवेरफुटाजबी ॥ जलजलमांसमाया ॥ ५
 पद ॥ ५ ॥ जलकाकुंभजलहलभसा ॥ सबसाह
 रसमांन ॥ अंतरआवृणमीटगया ॥ पृगटाबुं
 लज्ञाना ॥ ६ ॥ पंचपीयारीपरहरी ॥ परकृतीने
 मारी ॥ कीकालेतवउतरे ॥ चढीबृंहलषुमारी ॥ ७
 आवेपोहोरअलमस्तही ॥ जुगमेमतबालाग
 रुगंमकुंचीयोजके ॥ बोल्यासबताला ॥ ८ ॥ सघ
 लेपेयोआतमा ॥ व्यापितहीमाया ॥ सुंन्यसीघर
 घरउपरताकामगया ॥ ९ ॥ अहंबृंहलःपिभया
 अद्वैतपदयाया ॥ केहेकुवेरद्वैतजानही ॥ सांईआ
 पकहाया ॥ १० ॥ पद ॥ १० ॥ करमरहीतपरमातमा
 घाटेगुणभरीयो ॥ नीरगुणन्यारीसर्वथे ॥ अगणी
 तबृंहलदरीयो ॥ ११ ॥ सोदरीयाकेनीरकी ॥ उठेलेहे
 सअपारा ॥ संतअंतंतोरंगहे ॥ बुदंगसंसार
 १ ॥ १ ॥ पीतीपावकजलपवंतही ॥ आंततत्वआका
 सा ॥ तामध्येआवीपडो ॥ आत्माकोभासा ॥ १२ ॥ अं
 तकालकुजायगो ॥ पंचतत्ववीराधी ॥ सतकुवे

रूमात्मरहे। अइष्टप्रतादी ॥ ४ ॥ पद ॥ ७ ॥ फलम
 लजलकेजांहांलगी ॥ संघेतुपनेबाती ॥ उनेतंत
 केअंतमे ॥ जोतीहोतप्रजाती ॥ १ ॥ जायनेआवे
 नहीतांहांसमे ॥ एसीगतजांनो ॥ आगेकहीस
 मजाबुह ॥ द्रष्टांतनेमांनो ॥ २ ॥ बातीपांचुतत्वही
 मायाप्रथुकहावे ॥ तामध्येजोतीआतमा ॥ षो जं
 तांपावे ॥ ३ ॥ संजमपांचुतत्वके ॥ तिजतांहांलगी
 दरसे ॥ षट्चकरनेवेंधीने ॥ जवरलापरसे ॥ ४ ॥
 छतेपंजसुषतेहनु ॥ जांणेसंतसोहागी ॥ प्रेमग
 लीमेपरमातमा ॥ धुंन्यप्रनहद्यलागी ॥ ५ ॥ देही
 देवलअंतकालकु ॥ वेगेजायवीलाई ॥ केहंकुवे
 रूमात्मगती ॥ जेसेदीपकबुजाई ॥ ६ ॥ पद ॥ ८ ॥
 अवीगत्यपंखीआकासका ॥ धरणीपावधरीया
 नवषंडेपरषाषरी ॥ सातसाहरदरीया ॥ १ ॥ सोपे
 षीपरआयकेवेठीरकमंषी ॥ मंषीकापरवार
 मां ॥ ढांक्यासवपंषी ॥ २ ॥ सातसाहरतावेटमां
 पंखीकाहेचारा ॥ चुगकरपंखीउडगया ॥ विवा
 तरवरडार ॥ ३ ॥ सोतरवरवीस्तारही ॥ नहीमु
 लनेडाला ॥ चौदलोकफेरीरहा ॥ नहीबुधनेबा
 ला ॥ ४ ॥ सोतरवरकेचोकमां ॥ पंखीकाहेमाला
 धुपष्टांयाम्पापेनही ॥ नहीबुजतकाला ॥ ५ ॥ अगं

॥पद॥ मज्जगोचर अरथहे। जंगो संतसो हागी। सत
कुवेरगुरुगंमथकी। जो जुवेकोई जागी ॥६॥ पद
१७७१ ॥ ६ ॥ इती श्रीसंपुर्णः ॥ समाप्तः ॥ ॥

अथके रापदलीप्यते ॥ साचीरे कहतो कोइतिव
मांते ॥ जुवे जगपती आया हो ॥१॥ करीयारे कर्म
करी करी भुला ॥ संसैक बहुतां जाया हो ॥२॥
करता की गत्य कोइतव पावत ॥ साधत आपती
काया हो ॥३॥ छुतारे पंडा भंड जब भाग्या ॥ तीजी
बडा कुंत घेर जाया हो ॥४॥ बाघर की कोइषे वेर
तजो नत ॥ सब जुग ई यु भर माया हो ॥५॥ जीव
की रे बुधे सीवन वपावे ॥ दीपक दरसे नही भां
ता हो ॥६॥ आत्मा अरक उजेस की आगे ॥ रेणीकु
स्पसब ज्ञांता हो ॥७॥ बापी कुपसी लरका जंतु
साहर मरमतां जांता हो ॥८॥ केहं कुवेर दरस
भयेदरीया ॥ लेहेरी सकल परमांन्या हो ॥९॥ प
द ॥१॥ ज्ञानकी गुंज प्रबुज न बुकत ॥ जीवद साले
इडोले हो ॥१॥ वीचरण वेहेणी रेहेणी नरजेसे ज्ञा
नक पाटन पोले हो ॥२॥ साग वैराग ओरं नकुदे
खावे ॥ अंतर माया काध्यांता हो ॥३॥ हंसारे हो
डा करी मुष बोले ॥ करणी काग समांता हो ॥४॥
करत कथानी लपाठसीवको ॥ त्रसागां जतधु